देश के बड़े नौ राज्यों में मध्य प्रदेश के जिलो में बच्चों के स्वास्थ और पोषण स्थिति का विश्लेषण-2016

Child Rights Observatory Madhya Pradesh

Seven Hills School Premise ,E-6 Arera Colony Bhopal

Phone 0755-2560466,Email cromp.in@gmail.com

प्रस्तावना -रजिस्ट्रार जर्नल ऑफिस और सेन्सस कमिश्नर,भारत सरकार द्वारा हाल ही में राष्ट्रीय स्वास्थ सर्वेक्षण की रिपोर्ट दो भाग में प्रकाशित की है,जिसमे पहले भाग में "Core and Vital Health Indicators" और दूसरे भाग में Clinical, Anthropometric and Bio-Chemical Indicators है। इन दोनों रिपोर्ट में देश के Empowered Action Group राज्यों जो कि देश के आर्थिक रूप से कमजोर राज्य माने जाने बाले 9 राज्य क्रमश: आसाम, बिहार ,छत्तीसगढ़, झारखण्ड ,मध्य प्रदेश,ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 284 जिलों में से शीर्ष 100 जिलों के स्वास्थ और पोषण से जुड़े संकेतंको की स्थिति का विश्लेषण किया है। इन दोनों रिपोर्ट में राष्ट्रीय स्वास्थ सर्वेक्षण रिपोर्ट 2010-11 से 2012-13 का तुलनात्मक विश्लेषण भी किया गया है,साथ ही बर्ष 2014 के आंकड़े का भी विश्लेषण किया गया है। चाइल्ड राइट्स ऑब्जर्वेटरी मध्य प्रदेश ने इन दोंनो रिपोर्ट में 9 राज्यों के 284 जिलों में मध्य प्रदेश के जिलों का बच्चों से सम्बंधित संकेतंको का विश्लेषण किया है ।

पद्धति -(1) इन दोनों रिपोर्ट में 9 राज्यों के बच्चों के स्वास्थ और पोषण सम्बंधित संकेतंको के प्रत्येक राज्य के शीर्ष जिले और निचले जिलों को दर्शाया गया है ,इन राज्यों में मध्य प्रदेश के जिलों की स्थिति को देखा है।(2) इन दोनों रिपोर्ट में 284 जिलों में मध्य प्रदेश के कितने जिले पिछडे हैं, और उनका क्रम किस स्थान पर है। (3) इन 100 पिछड़े जिलों में मध्य प्रदेश के जिलों के स्थानीय जन प्रतिनिधियों का जो राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर कि राजनिति में सक्रिय हैं के साथ ही भौगोलिक और जनसंख्कीय का भी विश्लेषण किया है।

बच्चों सम्बंधित संकेताकों में मध्य प्रदेश के जिलों कि स्थिति

लिंगानुपात-देश के 9 राज्यों के 284 जिलों में **मुरैना** जिले मे 0-4 बर्ष की आयु के बच्चों में सबसे कम लिंगानुपात है(793) ,वहीं जन्म के समय लिंगानुपात के मामलों में **ग्वालियर**(804)8 राज्यों में सबसे निचले पायदान पर है।

बाल विवाह -बालकों के कानूनी उम्र से कम उम्र में विवाह के मामलों में **झाबुआ** जिला 9 राज्यों में शीर्ष स्थान पर है, जहाँ 53.3 प्रतिशत बालकों का क़ानूनी उम्र से पहले बाल विवाह हो जाता है। बालकों के लिए कानूनी विवाह की उम्र 21 बर्ष है।

बाल मजदूरी -झाबुआ जिला बाल मजदूरी के मामलों में देश के 9 राज्यों में सबसे पिछड़े स्थान पर है, जहाँ 13.8 प्रतिशत 5-14 बर्ष के बच्चे बाल मजदूरी करते हैं। झाबुआ जिले 85 प्रतिशत आवादी ट्राइबल है, जहाँ भील और भिलाला समुदाय अधिक है।

प्रसव पूर्व सम्पूर्ण जांच -देश के 9 राज्य के 100 पिछड़े जिले जहां गर्भवती महिलाओ की सबसे कम सम्पूर्ण जांच होती है, इनमे प्रदेश का मुरैना जिला 17 वे स्थान पर है जहाँ केबल 3.7 प्रतिशत गर्भवती महिलाओ की प्रसब पूर्व सम्पूर्ण जांच होती है। प्रदेश के अन्य जिले **दतिया**(5.2 %) 51 वे स्थान पर ,**श्योपुर**(5.5 %) 61 वे स्थान पर, **शिवपुरी(**6.0%**)** 73 वे स्थान पर और **भिंड**(6.1%)76 वे स्थान पर है।कुल मिलाकर शीर्ष 100 जिलोंमें प्रदेश के 5 जिले हैं। जबकि इन सभी 5 जिलों में 71-92 प्रतिशत तक संस्थागत प्रसव हुए हैं ।

सम्पूर्ण टीकाकरण - बच्चों के सम्पूर्ण टीकाकरण के मामलों में 9 राज्यों के 100 शीर्ष पिछड़े जिले जहाँ बच्चों के सबसे कम सम्पूर्ण टीकाकरण होता है,उनमें मध्य प्रदेश के 13 जिले है। (तालिका-1) देखे प्रदेश में बच्चों के सम्पूर्ण टीकाकरण के मामलों में टीकमगढ़ सबसे पिछड़ा है जहाँ महज 31.5 प्रतिशत बच्चों का ही सम्पूर्ण टीकाकरण होता है,जो 100 पिछड़े जिलों में 5 वे स्थान पर है।

भारत सरकार के स्वास्थ मंत्रालय की की "ग्रामीण स्वास्थ सांख्यिकी रिपोर्ट 2014 के अनुसार मध्य प्रदेश में दो हजार से अधिक सरप्लस ANM पदस्थ हैं जो टीकाकरण के कार्य में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। देश के 100 पिछडे जिलों में मध्य प्रदेश 13 जिले निम्न टीकाकरण दर की श्रेणी में आना, ANM और ग्रामीण क्षेत्रो में पदस्थ 64 हजार से अधिक आशा कार्यकर्त्ता की योग्यता पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है।

तालिका -1 बच्चों के कम सम्पूर्ण टीकाकरण में मध्य प्रदेश के जिलों की स्थिति ।

क्रमांक	जिला	दर-%	रैंक	क्रमांक	जिला	दर-%	रैंक
1.	Tikamgarh	31.5	5	8	Mandla	51.3	52

2.	Panna	38.4	12	9	Raisen	53.2	61
3.	Umariya	40.8	15	10	Satna	54.7	70
4.	Damoh	42.4	21	11	Sagar	55.0	74
5.	Chattarpur	43.5	23	12	Jhabua	57.4	85
6.	Shahdol	48.3	42	13	Sidhi	60.1	100
7.	Vidisha	48.9	42				

बच्चों में डायरिया -डायरिया बच्चों की असमय मौत की सबसे बड़ी बजह है,9 राज्यों में ग्रामीण क्षेत्रो में शहडोल जिले में सबसे अधिक बच्चे डायरिया से पीड़ित हैं।इसकी मुख्य वजह साफ़ पीने के पानी का अभाब भी हो सकता है। सेन्सस 2011 के मुताबिक शहडोल ग्रामीण क्षेत्र में केबल 53.59 प्रतिशत परिबारों को ही टेप वाटर, ढके कुए ,हैंड पंप और बोर बेल से पीने का पानी मिल पाता है,बाकीं के परिबार पीने के पानी के अन्य श्रोतों पर निर्भर हैं । वहीं 9 राज्यों के शहरी क्षेत्रो में रीवा जिला शीर्ष पर है जहाँ सबसे अधिक 54.8 प्रतिशत बच्चे डायरिया से पीड़ित पाए गए।यहाँ 84.04 प्रतिशत परिबारो को सुरक्षित जल श्रोतों से पीने का पानी तो मिल पाता है परन्तु बच्चों में डायरिया की अधिक दर पीने के पानी की गुणवत्ता पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है।

बच्चों में ज्वर – देश के 9 राज्यों ग्रामीण क्षेत्रो में बच्चों में ज्वर के मामलों में रायसेन जिला शीर्ष पर है, जहाँ सबसे अधिक 96.1 प्रतिशत बच्चे ज्वर से पीड़ित पाए गए।

बाल मृत्यु दर –बाल मृत्यु दर के मामलों में देश के 9 राज्यों के 284 जिलोंमें प्रदेश का पन्ना जिला 8 वे स्थान पर है जहाँ सबसे अधिक बाल मृत्यु दर है। 9 राज्यों के 100 शीर्ष जिलों में प्रदेश के 25 जिले हैं **तालिका -2** ।

तालिका -2 बाल मृत्यु दर के मामलों में 9 राज्यों में प्रदेश के जिलोंकी स्थिति, 2012-13

क्रमांक	**जिला**	**दर-%**	**रैंक**	**क्रमांक**	**जिला**	**दर-%**	**रैंक**
1	Panna	61	8	**14**	**Rewa**	**45**	**72**
2	Sagar	57	19	**15**	**Betul**	**44**	**82**
3	Satna	57	19	**16**	**Dindori**	**44**	**82**
4	Damoh	53	32	**17**	**Hoshangabad**	**44**	**84**
5	Sidhi	51	41	**18**	**Sehore**	**44**	**85**
6	Raisen	48	47	**19**	**Shahdol**	**44**	**86**

7	Vidisha	48	47	**20**	**Datia**	**43**	**92**
8	Katni	47	53	**21**	**East Nimar**	**43**	**92**
9	Balaghat	46	59	**22**	**Sheopur**	**43**	**92**
10	Chhatarpur	46	59	**23**	**Shivpuri**	**43**	**92**
11	Guna	46	59	**24**	**Tikamgarh**	**43**	**92**
12	Mandla	46	59	**25**	**Umariya**	**43**	**92**
13	Chindwara	45	72				

पांच बर्ष से कम उम्र के बच्चों में कुपोषण

1. बच्चों की कद के अनुसार कम वजन(Wasting)-देश के 9 राज्यों मे बच्चों के कद के अनुसार कम बजन के मामलों में शीर्ष 100 जिलों में मध्य प्रदेश के 15 जिले हैं। प्रदेश में रतलाम में सबसे अधिक 36 प्रतिशत बच्चे ऐसे हैं जिनका कद के अनुसार बजन कम है, रतलाम जिला देश के 8 राज्यों में कद के अनुसार कम बजन के मामलों में पिछड़े पन में देश में 5 वे स्थान परहै। तालिका -3

तालिका 3 -देशके 9 राज्यों के 100 शीर्ष जिले जिनमे बच्चों की कद के अनुसार कम वजन है, उन जिलोंमें मध्य प्रदेश के जिलोंकी स्थिति -2014

जिला	रैंक	जिला	रैंक
Ratlam (36 %)	4	Chhatarpur (25.5%)	66
Jabalpur (33.8%)	12	Dhar (23.9%)	83
Datia (33.1%)	16	Panna (22.9%)	98
Hoshangabad (31%)	23	Raisen (22.6%)	100
Vidisha (28.7%)	30		
Barwani (27.7%)	41		
Katni (27.5%)	42		
Mandla (27.2%)	45		
Dewas (27%)	48		
Dindori (25.9%)	59		

2. बच्चों की उम्र के अनुसार कम ऊँचाई के बच्चे (Stunting)-देश 9 राज्यों के 100 पिछडे जिले जिनमे बच्चों की उम्र अनुसार कम ऊँचाई है,उन जिलोंमें मध्य प्रदेश के 19 जिले है,जिनमें उम्र के अनुसार कम काठी के बच्चे

प्रदेश में सबसे अधिक खरगौन जिले में है, जहाँ 71.8 प्रतिशत बच्चे नाटे हैं , खरगोन जिले का स्थान 8 राज्यों के जिलोंमें 10 वा है जहाँ बच्चों का उम्र के अनुसार कद कम है ।तालिका -4

तालिका ४ - देश 9 राज्यों के 100 पिछडे जिले जिनमें बच्चों की उम्र के अनुसार कम ऊँचाई है, उन जिलों में मध्य प्रदेश के जिलोंकी स्थिति-2014

जिला	रैंक	जिला	रैंक
West Nimar (71.8 %)	10	Umaria (57.7%)	73
Sagar (70.5%)	13	Sheopur (57.5%)	79
Tikamgarh (67.8%)	23	Barwani (57.2%)	82
Harda (67.7%)	24	Chhatarpur (56%)	87
Shahdol (65.3%)	31	Jabalpur (55.6%)	90
Mandsaur (65.1%)	33	Bhopal (55.5%)	92
Dindori (64.8%)	38	Morena (55%)	98
Bhind (64.2%)	44	Shajapur (54.7)	100
Raisen (64%)	48		
Indore (60.7%)	61		
Seoni (58.1%)	70		

3.कम बजन के बच्चे (Underweight)-देश के 9 राज्यों के 284 में से 100 पिछड़े जिले जहाँ बच्चों के कम बजन के बच्चे है, इन जिलोंमें मध्य प्रदेश के 21 जिले है। प्रदेश में सबसे अधिक खरगोन जिले में कम बजन के बच्चे है, खरगोन जिला 9 राज्यों में बच्चों के कम बजन के मामलों में 6 वे स्थान पर है। प्रदेश के बांकी जिलोंकी स्थिति तालिका 5 में देखें।

तालिका 5 – देश के 9 राज्यों के 100 पिछड़े जिले जिनमे सबसे अधिक कम बजन के बच्चे है,इन जिलों में मध्य प्रदेश के जिलों की स्थिति- 2014

जिला	रैंक	जिला	रैंक
West Nimar (65.8%)	6	Sagar (50.2%)	53
Barwani (65.6%)	8	Sheopur (48.2%)	67
Datia (65.5%)	9	Mandsaur (47.8%)	70
Raisen (59.5%)	16	Umaria (47.6%)	72
Tikamgarh (58.7%)	19	Mandla (46.9%)	75
Dindori (57.6%)	23	Chhatarpur (46.8%)	77
Dewas (55.1%)	30	Hoshangabad (46.5%)	83
Seoni (54.8%)	31	Hoshangabad (46.5%)	83
Jabalpur (52.8%)	37	Bhopal (45.8%)	95

Katni (51.7%)	44	Sehore (45.8%)	96
Bhind (50.7%)	50		

4.कुपोषित बच्चे -मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले में 48.7 प्रतिशत बच्चे कुपोषित है जो 9 राज्यों में कुपोषित बच्चों के मामलों में **पहले स्थान पर** है। देश के 9 राज्यों के कुपोषित बच्चों के मामलों में 100 पिछडे जिलों में मध्य प्रदेश के 15 जिले है। प्रदेश के बांकी जिलों की कुपोषित बच्चों की स्थिति तालिका 6 में देखें ।

तालिका 6 – देश के 9 राज्यों के 100 पिछड़े जिले जिनमे सबसे अधिक कुपोषित बच्चे हैं ,इन जिलों में मध्य प्रदेश के जिलों की स्थिति- 2014

जिला	रैंक	जिला	रैंक
Hoshangabad (48.7 %)	1	Chhatarpur (25.1 %)	70
Ratlam (38.5 %)	5	Datia (24.3%)	77
Barwani (37 %)	6	Mandsaur (24.2%)	79
Katni (36.6%)	7	Rajgarh (23.7 %)	84
Panna (31.3 %)	24	Chhindwara (22.7%)	99
Ujjain (29.8 %)	34		
Jabalpur (29.3 %)	38		
Gwalior (27.1 %)	57		
Vidisha (27.1 %)	58		
Mandla (26.6 %)	62		

5. बच्चों में खून की कमी - बच्चों में खून की कमी के मामलों में देश के 9 राज्यों के 284 में से पिछड़े 100 जिलों में मध्य प्रदेश के 13 जिले है ,प्रदेश में सिवनी जिले सबसे अधिक बच्चे हैं जिनमे खून की कमी है ,जहाँ 98 प्रतिशत बच्चे एनीमिक हैं ,जो 9 राज्यों के 284 जिलों में 6 वें स्थान पर हैं प्रदेश के बांकी जिलों की बच्चों में खून की कमी की स्थिति तालिका 7 में देखें। सिवनी जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में तो 99 प्रतिशत एनीमिक बच्चे हैं जो 9 राज्यो में **प्रथम स्थान** पर है यानि देश का सबसे पिछडा जिला है ,जहाँ सबसे अधिक बच्चे एनीमिक हैं।

तालिका 7 –देश के 9 राज्यों के 100 पिछड़े जिले जिनमे सबसे अधिक एनीमिक बच्चे हैं , इनमें मध्य प्रदेश के जिलों की स्थिति- 2014

जिला	रैंक	जिला	रैंक
Seoni (98)	6	Ratlam (86.6)	77
Satna (95.4)	18	Rewa (86.4)	81

Katni (93.1)	34	Raisen (85.5)	90
Dindori(90.2)	50	Mandla (85.2)	92
Jabalpur (87.2)	69	Tikamgarh (84.9)	98
Harda (87)	71	Betul (84.7)	100
Balaghat (86.7)	76		

Maternal and Child Deprivation Index- यह इंडेक्स जिलों की मातृ और बाल स्वास्थ स्थति को दर्शाता है ,देश के 9 राज्यों में इस इंडेक्स में प्रदेश के 10 जिले हैं, उनमें से आदिवासी बाहुल्य जिले डिंडोरी और शहडोल 9 राज्यों के 284 जिलों में क्रमश: 23 वे और 45 वे स्थान पर है। प्रदेश के वाकी जिलों की स्थिति तालिका 9 में देखें।

तालिका -8 ; Maternal and Child Deprivation Index में 9 राज्यों के 284 जिलो में जिलों में मध्य प्रदेश के जिलोंकी स्थिति--2012-13

क्रमांक	जिला	इंडेक्स	रैंक
1.	Dindori	0.615	23
2.	Shahdol	0.608	27
3.	Vidisha	0.576	45
4.	Tikamgarh	0.572	52
5.	Panna	0.566	60
6.	Mandla	0.562	65
7.	Chhatarpur	0.551	77
8.	Sidhi	0.537	90
9.	Raisen	0.535	91
10.	Satna	0.533	96

Child Nutritional Deprivation Index -इस इंडेक्स में देश के 9 राज्यों के 284 जिलोंमें प्रमुख 100 जिलोंमें प्रदेश के 16 जिले है। आदिवासी बाहुल्य डिंडोरी जिला 9 राज्यों में 14वे स्थान पर है।वहीँ जबलपुर जिला जो प्रदेश के चार प्रमुख जिलों में से है जहाँ की शहरी आबादी 80 प्रतिशत से अधिक है। यहाँ उच्च CNDI का होना आश्चर्यजनक है।प्रदेश के अन्य जिलों की स्थिति तालिका 9 में देखें।

तालिका 9 :देश के 9 राज्यों के 284 जिलों में से 100 निचले जिलों में Child Nutritional Deprivation Index जिनमे मध्य प्रदेश के जिलों की स्थिति -2012-13

S.no.	District	Index	Rank

1.	Dindori	0.816	14
2.	Jabalpur	0.814	15
3.	Datia	0.809	17
4.	Raisen	0.786	21
5.	Tikamgarh	0.753	35
6.	Katni	0.733	43
7.	Seoni	0.728	51
8.	West Nimar	0.724	53
9.	Vidisha	0.719	51
10.	Ratlam	0.716	60
11.	Hoshangabad	0.714	61
12.	Mandla	0.703	72
13.	Ujjain	0.7००	75
14.	Sagar	0.691	85
15.	Umaria	0.683	89
16.	Mandsaur	0.683	90

प्रदेश के जिले जो 9 राज्यों के 284 जिलों में बच्चों से सम्बंधित संकेतंको में पिछडे हैं,उन जिलों से चुने गए जन प्रतिनिधियों की प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व की बर्तमान स्थिति।

डिंडोरी-Child Nutritional Deprivation Index में 9 राज्यों के 284 जिलों में 14 वे और मातृ एवं बाल स्वास्थ इंडेक्स में 23 वे स्थान पर है।डिंडोरी जिला पूर्व में मडला जिले का हिस्सा हुआ करता था जहाँ विश्व प्रसिद्ध राष्ट्रीय वन उद्यान कान्हा है और इससे भी रोचक तथ्य यह है बर्तमान में भारत सरकार के स्वास्थ राज्य मंत्री श्री फग्गनसिंह कुलस्ते डिंडोरी और मडला से लोकससभा के लिए चुने गये हैं।

विदिशा- विदिशा जिला का मातृ और बाल स्वास्थ Deprivation इंडेक्स 0.576 है जो की 9 राज्यों के 284 जिलों में 45 वे और Child Nutritional Deprivation Index में 51 वे स्थान पर हैं।श्रीमती सुषमा स्वराज विदिशा और रायसेन जिले का पिछले 7 से अधिक बर्षो से लोकसभा में प्रतिनिधित्व कर रही हैं और बर्तमान में भारत सरकार में विदेश मंत्री हैं।

रायसेन -जिला सबसे अधिक बच्चों के कम बजन के मामलों में देश के 284 जिलों में 16 वे स्थान पर है वहीं बच्चों की उम्र के अनुसार कम ऊँचाई के मामलों में 48 वे स्थान पर है और बाल मृत्यु दर के मामलों में 47 वे स्थान पर है। जिले से मध्य प्रदेश सरकार में श्री गौरीशंकर शेजवार वन, श्री रामपाल सिंह लोक निर्माण और श्री सुरेन्द्र पटवा संस्कृति मंत्री हैं वहीं श्री सूर्य प्रकाश मीना जो कि राज्य सरकार में उद्यानिकी और खाद्य प्रसंषकरण मत्री हैं , श्री मीना जिले के प्रभारी मंत्री हैं।

मुरेना और ग्वालियर - मुरैना जिले में 0-4 बर्ष की आयु के बच्चों में सबसे कम लिंगानुपात है (793) ,वहीं जन्म के समय लिंगानुपात के मामलों में ग्वालियर(804)जो इन 9 राज्यों के 284 जिलों में सबसे निचले पायदान पर है। इन जिलों के जन प्रतिनिधियों का प्रदेश की और केंद्र सरकारों में हमेशा महत्त्वपूर्ण स्थान रहा हैं।श्री रूस्तम सिंह जो मुरेना जिले से चुने गए हैं और वे बर्तमान में राज्य सरकार में स्वास्थ मंत्री हैं ।वहीं राज्य सरकार में नगरीय और आवास मंत्री श्रीमती माया सिंह इस जिले की प्रभारी मंत्री हैं जो पूर्व में प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री भी रहीं हैं। केंद्र सरकार में ग्वालियर का प्रतिनिधित्व श्री नरेन्द्र सिंह तोमर करते हैं जो बर्तमान में वे भारत सरकार में खनिज मंत्री हैं।

झाबुआ-झाबुआ प्रदेश का वह जिला है जो गुजरात कि सीमा पर स्थित है यहाँ कि 85 प्रतिशत से अधिक आवादी आदिवासी है ,बर्तमान में यहाँ से कोई मंत्री नहीं लेकिन पूर्व में यहाँ से केंद्र और राज्य सरकार में मंत्री चुने जाते रहे हैं ।आदिवासी जिला होने के कारण भारत सरकार और राज्य सरकार अपनी सभी योजनाओं का क्रियान्वयन जिले में करती है ।झाबुआ जिला लडकियों के कानूनी उम्र से कम उम्र में विवाह और बाल मजदूरी के मामलों में 9 राज्यों के 284 जिलोंमें शीर्ष स्थान पर हैं। इस जिले से बर्तमान में राज्य और केंद्र सरकार में कोई मंत्री नहीं परन्तु राज्य सरकार में सहकारिता, भोपाल गैस त्रासदी राहत तथा पुनर्वास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री विश्वास सारंग जिले के प्रभारी मंत्री हैं,वहीं जिले की 3 विधान सभा सीट में से 2 पर राज्य की रूलिंग पार्टी के प्रतिनिधि चुने गये हैं और विपक्षी पार्टी कांग्रेस के एक प्रमुख नेता **श्री कान्तिलाल भूरिया** झाबुआ -रतलाम जिले से लोक सभा के लिए चुने गए हैंजो पहले मंत्री रह चुके हैं ।

टीकमगढ़- बहुत ही आश्चर्यजनक तथ्य हे कि प्रदेश की बर्तमान सरकार में लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री रुस्तम सिंह मंत्री टीकमगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री हैं, यह जिलासम्पूर्ण टीकाकरण के मामलों में देश के 9 राज्यों में टीकमगढ़ 5 वा सबसे पिछड़ा जिला है। जहाँ महज 31.5 प्रतिशत बच्चों का ही सम्पूर्ण टीकाकरण होता हैं। सुश्री उमा भारती जो बर्तमान में केंद्र सरकार में Water Resources & Ganga Rejuvenation मंत्री है। टीकमगढ़ इनका गृह जिला जिला है ,जो पूर्व में मध्य प्रदेश की मुख्यमंत्री भी रहीं हैं।

रीवा- देश 9 राज्यों के शहरी क्षेत्रो में रीवा जिला शीर्ष पर है जहाँ सबसे अधिक 54.8 प्रतिशत बच्चे डायरिया से पीड़ित पाए गए। राज्य सरकार में पछले 2 दशकों से अधिक समय से रीवा जिले का कोई न कोई मंत्री रहा है चाहे प्रदेश में सरकार किसी भी पार्टी की रही हो। बर्तमान में मध्य प्रदेश सरकार में श्री राजेन्द्र शुक्ल, जो खनिज साधन, वाणिज्य, उद्योग और रोजगार, प्रवासी भारतीय मंत्री हैं जो रीवा का प्रतिनिधित्व करते हैं साथ ही प्रदेश सरकार के जल संसाधन मंत्री नरोत्तम मिश्र रीवा जिले के प्रभारी मंत्री हैं।

पन्ना - बाल मृत्यु दर के मामलों मेंदेश के 9 राज्योंके 284 जिलोंमें प्रदेश का पन्ना जिला 8 वा सवसे पिछड़ा जिला है जहाँ से राज्य सरकार में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं जेल मंत्री कुसुम महदेले विधान सभा में पन्ना जिले का प्रतिनिधित्व करती हैं। वहीं श्रीमती ललिता यादव जो राज्य मंत्री है वे पन्ना जिले की प्रभारी मंत्री हैं।

रतलाम - बच्चों की कद के अनुसार कम वजन के मामलों में 284 जिलोंमें रतलाम 4 वा सवसे पिछड़ा जिला है। राज्य सरकार के तकीनीकी शिक्षा राज्य मंत्री दीपक जोशी यहाँ के प्रभारी मंत्री हैं।

खरगोन- देश 9 राज्यों के 100 शीर्ष जिले जिनमे बच्चों की उम्र के अनुसार कम ऊँचाई है और बच्चों के सामान्य से कम बजन के मामलों में खरगोन जिला देश का क्रमश:10 वा और 6 वा पिछड़ा जिला है।मध्य प्रदेश सरकार के शिक्षा मंत्री विजय शाह जिले के प्रभारी मंत्री हैं।

होशंगाबाद- देश के 9 राज्यों के 284 जिलों में होशंगाबाद जिला सबसे कुपोषित बच्चों के मामलों में शीर्ष स्थान पर हैं । यह जिला प्रदेश के संपन्न जिलों में से एक है,जहाँ प्रदेश के सबसे अधिक गेहूं का उत्पादन होता है , प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रमुख फलो और सब्जियों की आपूर्ति इसी जिले से होती है। जिले की सभी 4 विधान सभा सीटो में रूलिंग पार्टी का कब्ज़ा है वहीं प्रदेश की बर्तमान विधान सभा के अध्यक्ष श्री सीताशरण शर्मा होशंगाबाद जिले से ही हैं। प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री श्री सूर्यप्रकाश मीना जिले के प्रभारी मंत्री हैं।

सिवनी-सिवनी जिले में 98 प्रतिशत बच्चे एनीमिक हैं ,जो 9 राज्यों के 284 जिलों में 6 वा पिछड़ा जिला है ।वहीं जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में तो 99 प्रतिशत एनीमिक बच्चे है जो 9 राज्यो में प्रथम स्थान पर है जहा सबसे अधिक बच्चे एनीमिक हैं । प्रदेश सरकार के श्री शरद जैन चिकित्सा शिक्षा, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, राज्य मंत्री जिले के प्रभारी मंत्री हैं।

संदर्भ

Core and Vital Health Indicators, AHS
Clinical, Anthropometric and Bio-Chemical Indicators, AHS
http://www.censusindia.gov.in
http://mpinfo.org
http://mpvidhansabha.nic.in
ceomadhyapradesh.nic.in
https://wikipedia.org
https://data.gov.in
mospi.nic.in
www.mpinfo.org
Rural Health Statistic 2014, Ministry of Health and Family Welfare